तापमान

अधिकतम 33 .5 डिग्री
न्यूनतम 11 .2 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

11 गुरु तेगबहादुर ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया: बीईओ

12 होली चाइल्ड स्कूल में अंतर स्कूल स्पर्धाओं का आयोजन, बीस स्कूलों के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बड़ा तालाब निवासी हिमांशु भाड़ावास रोड पुल के नीचे सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 2200 रुपये राशि और पर्चियां बरामद हुईं। आरोपी के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। बाद में उसे निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 3 नंवबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के पाटन निवासी मामराज को गिरफ्तार कर लिया। उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में दाखिल घायल के बयान पर 19 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के करवास निवासी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को बाद में निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

आर्य समाज बव्वा का वार्षिक उत्सव 5 को

कोसली। कोसली में बलबीर सिंह आर्य की स्मृति में 5 नवंबर को आर्य समाज बव्वा का वार्षिक उत्सव मनाया जाएगा। उत्सव में मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण यादव व विशिष्ट अतिथि वंदना पोपली अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी रहेंगी। आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, समाज सुधार व वेदों का प्रचार प्रसार करना है। दयानंद आर्य प्रधान आर्य समाज बव्वा ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य योगेंद्र प्रधान वेद प्रचार मंडल, स्वामी सम्पर्णानंद महाराज दड़ौली आश्रम, स्वामी सच्चिदानंद महाराज संचालक आर्यवीर दल दादरी, गोरक्षक देवेंद्र के पिता शीशराम , जसवंत कुमार मंत्री वेद प्रचार मंडल, आचार्य शुद्ध बुद्ध सरस्वती संचालक गदीपुर, प्रसिद्ध भजन उपदेशक रामनिवास आर्य पानीपत, डा. रवि चौहान कन्या गुरुकुल जमात, श्रुति आर्य शास्त्री, सुनीता आर्य शास्त्री व प्रदीप डागर गोक्रांति मिशन शामिल होंगे।

सूर्यास्त के बाद फसल अवशेषों में लगाई जा रही आग

किसानों को नहीं प्रदूषण की परवाह, शाम ढलते ही जला रहे अवशेष, प्रशासन एक्शन लेने में नाकाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पराली और फसल अवशेष जलाने पर रोक के बावजूद कई किसानों को इसकी कोई परवाह नहीं है। शाम ढलते की किसान फसल अवशेषों और पराली को आग लगा रहे हैं, जिससे रात भर धुआं वायुमंडल में सम्मलित होकर प्रदूषण का खतरा बढ़ा रहा है। प्रशासन की ओर से ऐसे किसानों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। नारनौल रोड से दिल्ली रोड को जोड़ने वाले बाईपास के निकट बीते रविवार देर सायं कई खेतों में फसल अवशेष और पराली को आग लगा दी गई। इससे आग का धुआं हवा में समाता रहा। देर रात तक खेतों में आग सुलगती रही। यह ऐसा पहला मामला नहीं है। धारूहेड़ा और रोहड़ाई क्षेत्रों में भी जल भराव वाले एरिया में किसान धान की फसल उगाते हैं। उनके खेतों में पराली अभी भी पड़ी हुई है। जिन किसानों के खेतों में अभी तक फसल अवशेष पड़े हुए हैं, गेहूं की बिजाई से पहले वह मौका मिलते ही उनमें आग लगा रहे हैं। इससे प्रदूषण बढ़ रहा है। आग देर सायं लगाई जाती है, ताकि किसी को इसकी भनक तक नहीं लग सके। कई किसान किश्तों में फसल अवशेष जला रहे हैं। अलग-अलग टुकड़ों में बारी-बार से आग लगाई जाती है, ताकि उसका दायरा सीमित रहे। एक साथ बड़े एरिया में आग लगाने से दूर तक लोगों को इसकी जानकारी मिल जाती है, जिससे शिकायत और कार्रवाई का डर बना रहता है। ऐसे में किसान थोड़े-थोड़े एरिया में ही फसल अवशेषों को आग लगाते हैं।

प्रशासन की ओर से ऐसे किसानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं लिया जा रहा

रेवाड़ी। नारनौल रोड बाईपास के के पास खेतों में जलाए जा रहे फसल अवशेष।

जल्द लिया जाएगा एक्शन

किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने के लिए पहले ही आगाह किया हुआ है। इसके बाद भी अगर किसान ऐसा कर रहे हैं, तो ऐसे किसानों की पहचान करने के बाद उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। पराली या फसल अवशेष जलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
-दीपक यादव, एसडीओ, एग्रीकल्चर।

आसमान में छाया रहता है धुआं

फसल अवशेषों को आग लगाने के बाद आसमान में धुआं छाया रहता है। रात के समय ठंड का असर बढ़ने से धुआं के कण भारी होकर जमीन के आसपास ही एकत्रित हो जाते हैं। इनके वायुमंडल में ऊपर तक नहीं जाने के कारण धुएं की परत जमीन के आसपास ही बनी रहती है। धुएं का प्रकोप बढ़ने के बाद लोगों को आंखों में जलन की शिकायत होती है। दमा रोगियों को सांस लेने तक में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

एचएसपीसीबी को नहीं परवाह

फसल अवशेष से लेकर कूड़ा जलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के हाथों में है। प्रदूषण के हालात गंभीर होने के बावजूद बोर्ड की ओर से इस दिशा में आवश्यक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। कई स्थानों पर कूड़े के ढेरों में आग लगाई जा रही है, तो कई स्थानों पर खेतों में फसल अवशेष जलाए जा रहे हैं। बोर्ड अधिकारी लंबी तानकर सोए हुए हैं।

पांच दिन बाद फिर मिले चार डेंगू पॉजिटिव मरीज, 281 पर पहुंचा आंकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नवंबर माह में सर्दी का असर नहीं दिख रहा है। गत वर्ष 2024 में भी सर्दी में देरी से तेजी आने के कारण नवंबर माह में डेंगू के 154 पॉजिटिव मरीज मिले थे, जिससे आंकड़ा 411 पर पहुंच गया था। इस बार भी तापमान की अधिकता दिन में गर्मी का अहसास करा रही है, जिससे मच्छरों का प्रकोप भी कम नहीं हो रहा है। प्रति वर्ष डेंगू व मलेरिया के मामलों का बढ़ना सही ढंग से फोगिंग का नहीं होना रहता है। इस वर्ष नगर परिषद की ओर फोगिंग पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया, जबकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर परिषद को पहले ही दवाई दे दी गई थी। हांलाकि पांच दिन बाद नवंबर माह में सोमवार को डेंगू के 4 केस मिले है, जिससे जिले में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 281 पर पहुंच गया है। अभी तक 216 डेंगू केसों की पुष्टि प्राइवेट लैबों व 65 डेंगू के मामले सरकारी लैब से मिल चुके है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब तक घरों में लार्वा मिलने पर 3735 लोगों को नोटिस भी दे चुकी है। एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर टीम अब तक सोर्स रिडेक्शन एक्टिविटी के तहत 2062571 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को डेंगू बीमारी के प्रति जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी।

रेवाड़ी। पशु खेल में लार्वा की जांच करते हुए स्वास्थ्यकर्मी, पानी के ड्रम में दवाई डालते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

साफ-सफाई का ध्यान रखें लोग

मलेरिया अधिकारी डा. अमित कुमार ने कहा स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार सोर्स रिडेक्शन सर्वे कर रही है। लोग अपने घरों में पानी की टंकी, फ्रिज-ट्रे, गमले, पशु खेल व कूलर की साफ-सफाई रखें। आसपास जमा पानी में काला तेल डालते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा पनप न सकें। डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में आसपास साफ-सफाई रखे। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले।

कुल मामलों में शहर से 120 डेंगू मरीज मिले

मलेरिया हेल्थ इस्पेक्टर हरिप्रकाश ने बताया कि इस सीजन में अभी तक डेंगू के 281 केस व मलेरिया के 14 केस मिल चुके है। जिले में अभी तक शहर में 120, बावल सीएचसी में 54, मीरपुर सीएचसी में 29, खोल सीएचसी में 49, गुरावड़ा सीएचसी में 15 व नाहड़ सीएचसी में 14 डेंगू पॉजिटिव मरीज चुके है। अब तक डेंगू संभावित 4134 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है। सोमवारको सरकारी लैब में 34 व प्राइवेट लैब के 10 सहित 44 लोगों के ब्लड सेंपल लिए गए।

राजस्थान का इनामी चेन स्नैचर चढ़ा पुलिस के हत्थे

कई पुलिस थानों में दर्ज हैं आरोपी पर केस

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चेन स्नैचिंग के आरोपी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सीआईए की टीम ने अक्टूबर माह में सेक्टर-4 में एक महिला के गले से मंगलसूत्र व लॉकेट छीनने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मॉडल टाउन पुलिस थाने में तीन केस दर्ज हैं। उसके खिलाफ राजस्थान के कई थानों में भी स्नैचिंग के केस दर्ज हैं। राजस्थान पुलिस ने उस पर 5 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था। गत 22 अक्टूबर की सायं सेक्टर-निवासी एक महिला किसी काम से बाजार की ओर जा रही थी। इसी दौरान बाइक पर आए बदमाशों ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र, सोने व चांदी के लॉकेट छीन लिए थे। आरोपी वारदात के बाद फरार होने में कामयाब हो गए थे। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने सीआईए इंचार्ज सुमेर सिंह की टीम को जांच का जिम्मा सौंपा था। सीआईए ने जांच के बाद राजस्थान के बहरोड़ के गांव रसनाली निवासी विक्रम को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसने मॉडल टाउन एरिया में चेन स्नैचिंग की तीन वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। राजस्थान पुलिस से संपर्क करने पर पता चला कि विक्रम राजस्थान के जयपुर, कोटपुतली, नीमराना व झुनझुनु पुलिस थानों में चेन स्नैचिंग के सात मामले दर्ज हैं। राजस्थान पुलिस ने उस पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। सीआईए ने चेन स्नैचिंग में उसका साथ देने वाले दूसरे आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अन्य साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि विक्रम चेन स्नैचिंग गिरोह का सरगना है। उसने जिन वारदातों को अंजाम दिया है, उनमें उसका साथ अलग-अलग आरोपियों ने दिया है। उनक आरोपियों को जल्द काबू करने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इनमें राजस्थान के कुछ युवक शामिल हैं। अन्य आरोपियों का पता लगाने के लिए राजस्थान पुलिस का सहयोग भी लिया जा रहा है।

मां की मौत के बाद नहीं हुई परवरिश

पुलिस पूछताछ में विक्रम ने बताया कि उसकी मां का निधन बचपन में ही हो गया था। पिता ने मां की मौत के बाद दूसरी शादी कर ली थी, परंतु उसकी परवरिश पर कोई ध्यान नहीं दिया। पिता व सौतेली मां के व्यवहार से दुखी होकर उसने बालपन में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था। वह नाबालिग होते रहते हुए ही चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया था। लगभग 22 वर्षीय विक्रम पर नाबालिग रहने के समय से ही चेन स्नैचिंग के कई मामले दर्ज हैं।

ग्रामीणों की मांग पर एमएलए का क्विक एक्शन नांगल मूंदी चौराहे पर बनवाए स्पीड ब्रेकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल मूंदी

सती मंदिर के पास चार दिन पहले हुए सड़क हादसों के बाद ग्रामीणों ने एमएलए कोसली अनिल यादव के समक्ष स्पीड ब्रेकर बनवाने की जो मांग उठाई थी, वह सोमवार सायं सिरे चढ़ गई। लोक निर्माण विभाग ने रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड पर नांगल-मूंदी रोड चौराहे के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बनवा दिए। ग्रामीणों ने दो दिन पहले ही पंचायत का आयोजन करने के बाद विधायक अनिल यादव को ज्ञापन देकर चौराहे पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की थी। ब्रेकर नहीं होने के कारण इस एरिया में लगातार हादसे हो रहे थे। चार दिन पहले कार और बाइक की भिड़ंत में बुड़ौली के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसके चंद घंटे बाद ही एक कार पेड़ से टकरा गई, जबकि दो बाइकों के बीच भिड़ंत हो गई थी। ग्रामीणों ने पंचायत के बाद विधायक के नाम ज्ञापन दिया था। विधायक अनिल यादव ने तुरंत लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को ब्रेकर बनवाने के निर्देश दिए थे।

रेवाड़ी। महेंद्रगढ़ रोड पर स्पीड ब्रेकर बनाते हुए लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी।

सोमवार को शाम के समय बना ब्रेकर

लोक निर्माण विभाग की टीम सोमवार को शाम के समय नांगल मूंदी पहुंची। कर्मचारियों ने सड़क पर बने चौराहे के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बनाने का कार्य शुरू किया। देर शाम तक चौराहे के दोनों ओर ब्रेकर बना दिए गए। इस चौराहे के आसपास तीन स्कूल होने के कारण स्कूली वाहन भी गुजरते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती थी। ब्रेकर बनने के बाद हादसों की आशंका कम हो गई है। ब्लॉक समिति सदस्य राजेन्द्र शर्मा, सतीश नंबरदार, एडवोकेट शौकीन शर्मा, उदयराज यादव, एडवोकेट सूर्यकांत यादव, अजय सरपंच का आभार व्यक्त किया है।

धानक समाज के जाटूसाना कार्यकारिणी का गठन 9 को

रेवाड़ी। सोमवार को धानक समाज जिला कार्यकारिणी की मीटिंग कुतबपुर स्थित धानक धर्मशाला में प्रधान वेदप्रकाश बनवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग का संचालन दयाराम मोरवाल ने किया। बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस मौके पर समाज की ओर से आगामी बैठक 9 नवंबर को सुबह 10 बजे गांव जाटूसाना की धानक धर्मशाला में आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें समाज के उत्थान के लिए भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। समाज के लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। समाज में फैली कुरीतियों के बारे में भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इसी दिन धानक समाज की जाटूसाना ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा। बैठक में सुभाष सोलंकी, भूप सिंह खरेरा, विजय सिंह इंदौरा, दलीप डाबला, ओमप्रकाश डाबला, देशराज डाबला, धर्मपाल पूर्व सरपंच, रिटायर्ड प्रिंसिपल महेंद्र सिंह, रविप्रकाश इंदौरा, विजय डाबला, गजराज निनानिया, रामौतार पचेरवाल, प्रकाशचंद खनगवाल, हेडमास्टर सुमेर सिंह, राम अवतार इंदौरा, नरेंद्र, राकेश सोलंकी, प्रवीण कुमार व संदीप सोलंकी उपस्थित थे।

दिवाली के बाद पहली बार सबसे कम स्तर पर आया एक्यूआई

मौसम साफ होते ही चढ़ने लगा तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

मौसम साफ होने के बाद तापमान में वृद्धि होना पर्यावरण में छाए प्रदूषण को साफ करने में पूरा मददगार साबित हो रहा है। दिवाली के बाद पहली बार धारूहेड़ा के एक्यूआई में बड़ा सुधार आया है। एक्यूआई लंबे समय बाद 200 से नीचे आया है। हवाओं की गति बढ़ने से भी प्रदूषण का खतरा कम हुआ है। 4 नवंबर को एक बार फिर से आसमान में बादल छा सकते हैं, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। सोमवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। तेज धूप निकलने से मौसम का मिजाज गर्म हो गया। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 33.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में भी 0.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़कर 11.2 डिग्री पर आ गया। हवा में नमी का स्तर कम होकर 45 प्रतिशत पर आ गया।

तेज धूप के बाद शाम तक आई वायु गुणवत्ता सूचकांक में कमी

200 से नीचे आया धारूहेड़ा का एक्यूआई

रेवाड़ी। एक्यूआई गिरने से शहर में कम हुआ प्रदूषण स्तर। फोटो : हरिभूमि

बारिश की कोई संभावना नहीं

हवाओं की गति 14 किलोमीटर प्रति घंटा रही। तापमान बढ़ने से सर्दी का असर कम होना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को आसमान में आंशिक बादल छा सकते हैं। इस दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है। बादल साफ होने के बाद एक सप्ताह तक मौसम खुला रहेगा, जिससे दिन के तापमान में और वृद्धि हो सकती है। रात के तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे सुबह और शाम के समय सर्दी का असर बढ़ता जाएगा।

सुबह से कम रहा शाम का एक्यूआई

तेज हवाएं चलने और दिन का तापमान बढ़ने के कारण धारूहेड़ा का एक्यूआई सुबह से लेकर शाम तक कम होता चला गया। सुबह के समय एक्यूआई 278 दर्ज किया गया, जो शाम के समय 176 पर आ गया। दिवाली के बाद पहली बार एक्यूआई इतने कम स्तर पर आया है। अगर मौसम का मिजाज गर्म होता है, तो एक्यूआई और भी कम हो सकता है। लोगों को जहरीली हवा से राहत मिल सकेगी।

महेंद्रगढ़ रोड पर पिकअप-कार में जबरदस्त भिड़ंत कार के परखच्चे उड़े, चालक घायल

रेवाड़ी। हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार व पिकअप गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

महेंद्रगढ़ रोड पर सोमवार सुबह एक दूध की पिकअप गाड़ी और कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। पिकअप गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन दोनों वाहनों के चालक बाल-बाल बच गए। कार चालक को मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी

पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। कुंड निवासी भीमसिंह अपनी बहन के ससुराल बास बटौड़ी में रविवार को भात लेकर आया था। सुबह वह गाड़ी में तेल डलवाने के लिए महेंद्रगढ़ रोड स्थित पेट्रोल पंप पर गया था। तेल डलवाने के बाद वह वापस बास बटौड़ी की ओर जा रहा था। भठेड़ा के पास महेंद्रगढ़ की ओर से दूध सप्लाई करने वाली बंद बॉडी की पिकअप गाड़ी से कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। पिकअप गाड़ी के दो टायर निकल गए। बाद में कार एक पेड़ से टकरा गई। एयरबैग खुल जाने के कारण चालक भीमसिंह बाल-बाल बच गया। शीशे टूटने के कारण उसे मामूली चोटें जरूर आईं। बाद में दोनों वाहनों को सड़क से हटवाया गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

रोहतक, मंगलवार
4 नवंबर 2025
हरिभूमि
सहेली

अपनी कामयाबी को ऐसे रखिए कायम

कामयाब होना तो कठिन है ही, अपनी कामयाबी को संभाले रखना, इसे नई ऊंचाई देना और भी कठिन काम है। कामयाबी पर हम कैसे टिके रहें, नए-नए सोपान तय करें, इसके लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर हम किन विशेष बातों को ध्यान में रखें, इसके लिए अपनी सोच कैसी रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कामयाबी ऐसे ही किसी को आसानी से नहीं मिल जाती। इसे पाने की यात्रा का संघर्ष बहुत मुश्किल होता है। इससे कहीं ज्यादा कठिन होता है, हासिल की गई कामयाबी को बनाए रखना, मेहनत के साथ मिली कामयाबी पर टिके रहना, प्रोफेशनल फ्रंट पर खुद को निरंतर संवारते रहना, साथ ही व्यक्तिगत फ्रंट पर सहज बने रहना। असल में सफलता को पाना और सफल होने पर इसे संभालना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं। अपनी कामयाबी को अहंकार और असहयोगी रवैये के कारण खो देने वाले लोगों के उदाहरण हर फील्ड में मिल जाएंगे। बहुत से चर्चित और सफल लोग, लंबे संघर्ष के बाद पाई कामयाबी को छोटी-छोटी गलतियों के चलते गंवा देते हैं। उनसे सबक लेना और समय रहते संभलना भी एक स्किल ही है। ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी सजगता और सहजता से जीवन जीते हुए किन बातों का ध्यान रखकर अपनी कामयाबी को कायम रखें, जानिए-

ग्रेटिट्यूड का भाव

ग्रेटिट्यूड यानी कृतज्ञता का भाव सफलता को और सार्थक, और टिकाऊ बनाता है। इसीलिए अपनी कामयाबी का उत्सव मनाते हुए इस यात्रा में सहयोगी रहे लोगों को कभी न भूलें। जब भी, जैसे रूप में भी संभव हो, उन लोगों को जैसे माता-पिता, मित्र, शिक्षक या सहकर्मी को धन्यवाद कहें। इनके प्रति आभार जताना कभी न भूलें। आमतौर पर सफलता पाने के बाद लोग आत्मकेंद्रित हो जाते हैं, जबकि जीवन को तो सांप-सीढ़ी के खेल जैसा माना जाता है, कभी ऊंचाइयों का दौर, तो कभी नाकामयाबी का समय। परिस्थितियां बदलती रहती हैं। ऐसे में अपने अच्छे वक्त में भी दूसरों के साथ अच्छे बने रहें, सकारात्मक बर्ताव करें। कम से कम, किसी को कमतर समझने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

सहयोगी सोच है जरूरी

सफलता पाने के बाद भी अच्छे आचरण की अहमियत खत्म नहीं हो जाती। सच तो यह है कि अपनी सफलता को बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में सकारात्मकता और सहयोगी भाव और जरूरी हो जाते हैं। इसीलिए अपने आत्मविश्वास को अति-आत्मविश्वास में कभी न बदलने दें। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का ट्रेंड हमेशा रहा है और रहेगा। सफल होने का मतलब अपनी कमजोरियों को भूल जाना नहीं होता, न ही दूसरों की काबिलियत की अनदेखी करने से आपकी कामयाबी कुछ विशेष हो जाती है। कोशिश कीजिए, आप संघर्ष कर रहे किसी अपने-पराए के मददगार बनें। आगे बढ़ने, बेहतर बनने में किसी का मार्गदर्शन करें। ऐसा करने से आप खुद भी कुछ नया सीखेंगी। कभी-कभी साझा लक्ष्य पर काम करने की यह रणनीति आपको और नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। किसी को दिया जा रहा सहयोग, आपके किसी समाधान का मार्ग भी निकाल सकता है। देखा जाए तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने ही परिवेश को कुछ लौटाने जैसा है। इसीलिए कहा जाता है, सहयोग से पूरे समाज की उन्नति होती है। सहयोगी व्यवहार से न केवल जुड़ाव और अपनापन बढ़ता है, बल्कि प्रोफेशनल संसार के संबंधों को मजबूती भी मिलती है।

आत्म-जागरूकता और सहजता जरूरी

किसी क्षेत्र विशेष में सफल होने का अर्थ यह नहीं कि आप अपने आप में पूर्ण या संपूर्ण हो गई हैं। साथ ही यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अब सारी परीक्षाएं खत्म हो गई हैं। जिंदगी

समय-समय पर इम्तिहान लेती रहती है। किसी न किसी रूप में उलझनें सामने आती रहती हैं। इस पड़ाव पर आत्म-जागरूकता और सहजता आवश्यक है। अहंकार से दूरी रखना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि अहंकार सफलता का एक स्वाभाविक परिणाम नहीं है। कामयाबी के गुरूर से इंसान का बदलता व्यवहार ही ईगो की ओर धकेलता है। वहीं, सफलता के दौर में सहज और विनम्र रहने वाले इंसान का मन सदा ग्रेटिट्यूड के भाव से भरा रहता है।

बुरी आदतों से बचें

कामयाबी के दौर में बुरी आदतों के घेरे में आकर खुद को खो देने वाले लोगों के बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इसीलिए सफलता को कोई सनक न बनाएं। खुद को खास दिखाने के लिए अजब-गजब आदतों के जाल में न फंसें, प्रोक्रास्टिनेशन यानी अपने काम को टालते रहना हो या दिनचर्या बिगाड़ लेना, किसी तरह की लत का शिकार होना हो या अपने आपको दिखावे की लाइफस्टाइल में उलझा लेना, ऐसी हर बात से बचिए, जो आपको दिशाहीन करती है। याद रखिए कि

अपनी सफलता को जीना अलग बात है और उसका सिर चढ़ जाना अलग। इस अंतर को समझते हुए खुद को संवारते रहना ही कामयाबी को टिकाऊ बनाता है। संघर्ष का समय बीतने के बाद भी सफलता पाने वाले लोग अनुशासित जीवन जीते हैं और आत्म-निरीक्षण को प्राथमिकता देते हैं। a

घर की तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए हाउस वाइव्स का खुद के लिए यानी मी टाइम निकालना जरूरी है। इससे वे अपने को रिचार्ज महसूस करेंगी, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होगा। लेकिन मी टाइम के लिए वर्क मैनेजमेंट का हुनर जरूरी है।

बिजी लाइफ में भी खुद के लिए निकालें मी टाइम

एडवाइस
शीला श्रीवास्तव

हाउस वाइव्स की अकसर यह शिकायत रहती है कि वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पातीं। वाकई रुटीन मैनेजमेंट उनके लिए एक चैलेंज की तरह होता है। उन्हें बच्चों के स्कूल, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लासेस, हसबैंड के ऑफिस और घर के बड़े-बुजुर्गों की देखभाल के बीच अपने लिए समय नहीं मिल पाता। अपने लिए समय निकालना कितना जरूरी है, इस पर वे कुछ सोचती नहीं हैं। लेकिन अपने लिए समय ना निकालने की वजह से हाउस वाइव्स स्ट्रेस में आ जाती हैं। नतीजतन उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, जो आगे चलकर शारीरिक और मानसिक रोगों का कारण बनता है। सवाल यह है कि हाउस वाइव्स खुद के लिए मी टाइम कैसे निकालें-

जरूरी है मी टाइम: तमाम जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए समय निकालना 'मी टाइम' है। स्ट्रेस फ्री रहने के लिए यह बहुत जरूरी है। मी टाइम ब्रेन को रिचार्ज करता है। भले ही मी टाइम एक घंटे का हो, लेकिन होना जरूर चाहिए। इस समय आप बस अपने लिए जिएं, खुद को खुशी देने वाले काम करें। एक बार मी टाइम पर फोकस करके देखिए, आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। इतना ही नहीं, आप जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से सोच सकेंगी। खुद को बेहतर समझ पाएंगी और अपनी कमजोरियों और खूबियों पर मंथन कर सकेंगी। साथ ही आप अपने रिश्ते को और बेहतर बनाने पर विचार कर पाएंगी।

पा सकती हैं खोई हुई एनर्जी: मी टाइम से आप अपनी खोई हुई एनर्जी वापस पा सकतीं हैं। मी टाइम निकालने के लिए सबसे जरूरी है कि पहले वर्क मैनेजमेंट करें, क्योंकि आप अपने घर के कार्यों को व्यवस्थित कर पाएंगी तो आपके लिए मी टाइम निकालना आसान हो जाएगा। वर्क मैनेजमेंट सही करने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

खुद को दें प्रॉयोरिटी: आपके परिवार में किसी को भी कोई जरूरत हो तो वह आपके पास आते हैं। ऐसे में गृहिणियों के लिए तनाव रहित रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा तो आप चाहकर भी किसी की पूरे मन से मदद नहीं कर पाएंगी। इसलिए खुद को प्रॉयोरिटी दें। अपनी पसंद की चीजों पर ध्यान दें। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। खुद के पसंद की म्यूजिक सुनें, डांस करें या फिर खुद के पसंद के अन्य काम करें।

अपना टाइम टेबल बनाएं

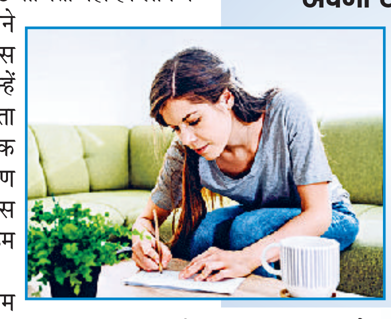

मी टाइम निकालने के लिए सबसे पहले आप अपने घर के कार्यों का समय तय करें। इसके लिए जरूरी है कि आप टाइम टेबल बनाएं और हर काम का समय तय करें। टाइम टेबल के हिसाब से किया गया काम हमेशा समय से होता है, इससे आप आसानी से समय निकाल कर अपनी रुचि के काम कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल में बदलाव: सुबह उठने की आदत डालनी होगी। अगर आप देरी से उठेंगी तो घर का काम भी देरी से शुरू होगा और आपका सारा दिन झुंझलाहट में बीतेगा। खुद के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

सोशल मीडिया पर ज्यादा बिजी न रहें: अकसर देखा गया है कि महिलाएं सुबह से ही सोशल मीडिया पर कमेंट और लाइक्स देखने और उसका जबाव देने में बिजी हो जाती हैं, जिससे उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए आप एक समय तय करें, ताकि आप काम के स्ट्रेस से भी दूर रहें और मी टाइम निकाल सकें।

घर के लोगों से लें मदद: महिलाओं की यह आदत होती है कि हर काम अकेले ही करना चाहती हैं, जो ठीक नहीं है। घर के अन्य सदस्यों से थोड़ी-थोड़ी मदद लें। बच्चों से आप उनका कमरा ठीक करने, अलमारी और किताबें ठीक करने के लिए कहें। इससे वे खुद भी व्यवस्थित व अनुशासित बनेंगे। इससे आप अकेली पर काम का सारा बोझ नहीं पड़ेगा। a

स्पेशल : इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, 7 नवंबर

शिशु देखभाल की समझ बढ़ाने, बाल मृत्यु दर में कमी लाने और नवजात बच्चों की देखभाल से जुड़ी सर्विसेज के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए हर साल 7 नवंबर को इंफेंट प्रोटेक्शन-डे मनाया जाता है। न्यू बॉर्न बेबी की देख-भाल के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जानिए।

न्यू बॉर्न बेबी सजगता से हो देख-भाल

लालन-पालन
चैतन्या

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी-छोटी बातों को लेकर सजगता बरतना भी जरूरी है। हमारे यहां नवजात यानी न्यू बॉर्न बेबीज की सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी देखी जाती है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही, अपनों की स्नेह भरी देख-भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी जरूरी है।

किसे कहते हैं न्यू बॉर्न बेबी: आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के बच्चे को न्यू बॉर्न बेबी यानी नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं मौसमी बीमारियों और दूसरे इंफेक्शन से बचाने के लिए साफ-सफई का भी ध्यान रखना होता है। असल में ऐसी छोटी-छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में इंफेंट प्रोटेक्शन-डे हर मामले में शिशुओं की बेहतर ढंग से केयर करने से जुड़ी सतर्कता लाने का संदेश देने वाला दिन है।

स्तनपान और स्वच्छता: मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू बॉर्न बेबी की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है।

संक्रमित होने से बचाएं: इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, लोगों को साफ-सफाई रखने के लिए भी चेताता है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं का जीवन डिलिवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है।

वैक्सीनेशन और पोषण: बच्चे के जन्म के बाद टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय-समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। साथ ही सही पोषण का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। हमें अपने नवजात बच्चे की सुरक्षा को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत होती है। a

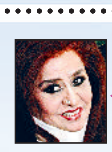

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

फॉलो करें प्रॉपर मेकअप स्टेप्स मिलेगा इंप्रेसिव-परफेक्ट लुक

अगर आप प्रोफेशनल हैं तो मेकअप सही ढंग से अप्लाई करना जरूरी होता है। लेकिन मेकअप शुरू करने से पहले आपको इसके बेसिक्स की जानकारी होनी चाहिए ताकि आप अट्रैक्टिव, इंप्रेसिव दिखें।

क्लींजर: मेकअप करने से पहले क्लींजर की मदद से चेहरे को साफ कर लें। आप कॉटन में टोनर लगाकर भी चेहरे को अच्छी तरह साफ कर सकती हैं। इसके बाद ही फेस स्क्रब का यूज करें क्योंकि इससे आपकी स्किन सुंदर और आप अट्रैक्टिव दिखेंगी।

मॉयश्चराइजर: स्किन को क्लीन करने के बाद मॉयश्चराइज करें। इसके बाद आप प्राइमर लगाएं ताकि मेकअप देर तक टिका रहे।

आंखों को करें हाइड्रेटेड: आंखों के आस-पास की स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए आई सीरम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सामान्यतः हाईड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो तेल की अधिक मात्रा को नियंत्रित करने के लिए मैटीफाइंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए। अगर आपकी त्वचा पर दाग, धब्बे, मुंहासे हैं या आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो इन्हें कवर करने के लिए कंसीलर कलर करेक्टर का उपयोग करें ताकि त्वचा का रंग नेचुरल दिखे।

लिप्स के लिए: अगर आपकी लिपस्टिक कुछ ही समय बाद होंठों से गायब हो जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कॉम्पैक्ट पावडर का इस्तेमाल करें, जो लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद उस पर टिश्यू पेपर लगाएं। अब, अपने होंठों पर टिश्यू पेपर के ऊपर कुछ लूज कॉम्पैक्ट पावडर या एक लूज सेटिंग पावडर लगाएं। ऐसा करने से आपकी लिपस्टिक पहले की तरह सेट हो जाएगी।

रिमूव एक्सट्रा ऑयल: अगर आपकी स्किन पर एक्सट्रा ऑयल दिखता है तो ब्लॉटिंग पेपर का यूज कर सकती हैं। इसके यूज से स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाया या कम किया जा सकता है।

फाउंडेशन: अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का यूज करें। फाउंडेशन को अपनी गर्दन पर लगाना न भूलें।

ब्लश का यूज: ब्लश का यूज अपनी जरूरत के अनुसार करें क्योंकि इसका ज्यादा उपयोग अननेचुरल दिखेगा। इसे अपने गालों को उभारने के लिए ही उपयोग कीजिए। ज्यादातर स्किन पर हल्का पिंक ब्लश सूट करता है।

लिपस्टिक-लिप ग्लॉस: अगर आपको यह महसूस हो कि मैटीफाइंग लिपस्टिक से आपके लिप्स ड्राई हो रहे हैं तो किसी लिप बाम के बाद लिपस्टिक अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रे: अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का यूज कीजिए। लेकिन आंखों को बंद रखें और होंठों को भी कवर रखें। a

मेडिकल सजेशन
डॉ. भारती कालरा
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
करनाल-हरियाणा

अपने जरूरी पर्सनल वर्क के लिए कई महिलाएं पीरियड्स को डिले करने के लिए मेडिसिन ले लेती हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। लापरवाही हार्मफुल हो सकती है।

डॉक्टर से कंसल्टेशन पर ही लें पीरियड्स-डिले मेडिसिन

पीरियड्स एक नेचुरल फिजिकल साइकिल है, जिससे टीनएज से 45-50 वर्ष की उम्र के बीच की हर महिला गुजरती है। लेकिन कई बार मैरिज, स्पेशल फंक्शन, सैर-सपाटे, स्टडी जैसे किसी विशेष अवसर पर कुछ महिलाएं पीरियड्स रोकने के लिए मेडिकल स्टोर में आसानी से उपलब्ध पीरियड्स डिले करने वाली हार्मोनल पिल्स ले लेती हैं। इन दवाओं के गलत डोज या साइड इफेक्ट्स की वजह से कई शारीरिक समस्याओं के साथ जीवन पर भी संकट मंडरा सकता है।

कैसे काम करती हैं ये दवाएं: मेडिकली देखें तो महिला के शरीर में प्रत्येक पीरियड साइकिल के दौरान प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है, जिसकी वजह से यूट्रस की लाइनिंग गिरने लगती हैं और पीरियड्स शुरू हो जाते हैं। पीरियड्स-डिले पिल्स, मुख्य तौर पर दो तरह की हार्मोनल दवाइयां होती हैं, जिनमें या तो सिर्फ सिंथेटिक प्रोजेस्ट्रॉन होता है या फिर एस्ट्रोजन-प्रोजेस्ट्रॉन का मिश्रण होता है। इनके सेवन से महिला के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन लेवल कम नहीं हो पाता और पीरियड्स रुक जाते हैं यानी, ये दवाएं अस्थाई रूप से पीरियड साइकिल को रोककर पीरियड्स को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। साथ ही महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम को रेगुलेट करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं साइड इफेक्ट्स: हालांकि ये दवाइयां सुरक्षित होती हैं, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट से बचने के लिए इन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर सही तरीके और सही डोज में ही लेनी चाहिए। इन्हें लेने पर कुछ सामान्य साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, सिर-दर्द होना, ब्रेस्ट में दर्द होना, पेट फूला-सा लगना, वजन बढ़ना, मितली-उल्टी की फीलिंग होना, पैर में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना आदि। कुछ मामलों में शरीर में हार्मोन और रक्त में मौजूद रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। धमनियों में ब्लड क्लॉटिंग या डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने का खतरा रहता है। हार्मोनल दवाइयों के हाई डोज से ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हार्ट रेट गड़बड़ा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हार्मोन पिल्स का सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो, इन गोलियों का इस्तेमाल न करें।
- एक सप्ताह पहले ही आजमा लें ताकि यदि कोई साइड इफेक्ट हो तो उससे निपटने के लिए समय मिल सके।
- मेडिकल हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। पहले से मौजूद बीमारियों जैसे लिवर, ब्लड प्रेशर, डीवीटी, हार्मोनल असंतुलन में इन्हें बिल्कुल न लें।
- कभी-कभार और डॉक्टर की निगरानी में इनका सेवन सुरक्षित है। लेकिन बार-बार इस्तेमाल शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है।

इन्हें होता है अधिक रिस्क: पीरियड्स-डिले करने वाली दवाओं का सेवन करने में ऐसी महिलाओं को पूरी एहतियात बरतनी चाहिए, जो पीसीओएस, माइग्रेन, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि से जूझ रही हों। a

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

जरनल परेड का एसपी ने किया निरीक्षण

नारनौल। पुलिस लाइन में सोमवार को जरनल परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने परेड का निरीक्षण किया। पुलिस जवानों की शारीरिक व मानसिक दक्षता बनाए रखने के लिए परेड और दौड़ भी कराई गई। एसपी पूजा वशिष्ठ ने सभी पुलिसकर्मियों की वर्दी के टर्न आउट का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार व दिशानिर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने जिले में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या आपात स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गठित की गई कंपनी को विशेष रूप से आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान जवानों का हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, कैनशील्ड के साथ अभ्यास कराया गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को हर तरह की परिस्थितियों से तुरंत निपटने और सदैव तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। उन्हें किसी अप्रिय घटना या दंगे जैसी गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से कैसे काबू पाया जाए, इस बारे में जानकारी दी गई।

माता-पिता की याद में करा रहे धर्मशाला का निर्माण

नारनौल। गांव डेरोली अहीर में अपनी माता स्वर्गीय सुरस्ती देवी व पिता स्वर्गीय सोहनलाल खोशया की याद में उनके पुत्र प्रसिद्ध व्यवसायी केहर सिंह खोश्या धर्मशाला का निर्माण करा रहे हैं। गांव में धर्मशाला का शिलान्यास जूना अखाड़े के उपाध्यक्ष महंत गुरु इंद्र भारती के मार्गदर्शन में किया है। बता दें कि धर्मशाला के लिए जमीन गांव की पंचायत में उन्हें दी है, जिस पर धर्मशाला का निर्माण केहर सिंह खोशया करवाकर ग्राम पंचायत को सौंपेंगे। इस मौके पर सरपंच लक्खीराम, श्रीराम खोश्या, ग्राम सभा के प्रधान मनोज कुमार, ग्राम सभा सदस्य राजेश यादव, बबली सिहार, मोहित खोशया, डा. गौरव खोश्या, कैप्टन महावीर, यशपाल, संदीप खोश्या मेई, पूर्व पंच रोहतास, पूर्व पंच विजय कुमार व मनोज मास्टर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में जुटा संतोष मेमोरियल

नारनौल। दिव्यांगजन सशक्तिकरण के उद्देश्य से संतोष मेमोरियल दिव्यांगजन एवं पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगजन के लिए दो वर्षीय भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त पूर्णकालिक बीएड/डीएड (विशेष शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए स्वर्णिम अवसर उपलब्ध है। प्राचार्य डा. आरएन यादव ने बताया कि कार्यक्रम की अहरता बारहवीं व स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है। अभ्यर्थी डीएड/बीएड (विशेष शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। योग्य अभ्यर्थियों को 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अंतिम तिथि 9 नवंबर 2025 है। उन्होंने बताया कि सीबीएसए एवं न्यायालय के आदेश के उपरांत प्रत्येक स्कूल में विशेष शिक्षक की नियुक्ति अब अनिवार्य कर दी गई है। चूंकि अभी विशेष शिक्षक जो कि भारतीय पुनर्वास परिषद के द्वारा पंजीकृत है, उनकी संख्या बहुत कम है और लगभग सभी कार्यरत हैं।

कृत्रिम उपकरण के लिए कल तक करें आवेदन

कनीना। दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जल्द ही शिविर का आयोजन किया जाएगा। उपकरण वितरण करने से पहले रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ है, जो पांच नवंबर तक जारी रहेगी। राजकीय पीकेएसडी कॉलेज की लाइब्रेरी में सुबह 10 से 12 बजे तक आवेदन लिए जा रहे हैं। पंजीकरण कराने वाले लाभार्थियों को कृत्रिम उपकरण फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। तीसरे दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर में व्हीलचेयर सहित अन्य सामान दिया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष दीपक वशिष्ठ ने बताया कि पंजीकरण के समय दिव्यांगता प्रमाण पत्र व यूआईडी कार्ड, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य है।

सरकारी स्कूल में पढ़े तरुण ने गाइटेक्स में रचा इतिहास

दुबई में जीता गाइटेक्स ग्लोबल 2025 सर्वश्रेष्ठ सम्मान, अब सिंगापुर में अप्रैल 2026 में होगा प्रतिनिधित्व

- एआई तकनीक से चमका भारत का नाम, युवक को करेंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

गांव की मिट्टी से उठकर अंतर राष्ट्रीय मंच पर मुकाम हासिल कर तरुण ने साबित किया है कि दृढ़ इच्छा शक्ति, निरंतर सीख और कड़ी मेहनत से हर सपना साकार किया जा सकता है। आज वे हरियाणा और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का मजबूत उदाहरण हैं। दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित गाइटेक्स ग्लोबल 2025 में अटेली खंड के गांव सैदपुर के युवा तरुण ने बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी एआई कंपनी ओमनीनेक्सयूस ने अपनी अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार क्षमता से विशेष पहचान बनाई। ओमनीनेक्सयूस ने गाइटेक्स एशिया 2025 तकनीकी नवाचार पुरस्कार जीता है, जिससे मंच पर वैश्विक स्तर पर भारतीय तकनीकी नेतृत्व स्थापित हुआ। अब कंपनी अप्रैल 2026 में सिंगापुर में आयोजित होने वाले गाइटेक्स एशिया मंच पर भी अपनी तकनीक और दृष्टि का प्रदर्शन करेगी। युवा तरुण ने अपनी प्रतिभा, दूरदर्शिता और मेहनत से दुनिया में हरियाणा प्रदेश ही नहीं, भारत का नाम भी उंचा किया है। गांव से निकलकर दुनियाभर में छाप छोड़ना तरुण की क्षमता, महत्वाकांक्षा और उत्कृष्ट नेतृत्व को दर्शाता है। सादगीपूर्ण और मेहनतकश परिवार से आने वाले तरुण ने यह उपलब्धि कठिन परिश्रम

और लगन से हासिल की है। उनके पिता अशोक कुमार मेहनती पृष्ठभूमि से हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। तरुण के चाचा राकेश कुमार, जो शिक्षक हैं, ने बताया कि तरुण बचपन से ही जिज्ञासु स्वभाव के थे, सीखने की तीव्र इच्छा और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें हमेशा अलग साबित किया। तरुण की प्रारंभिक शिक्षा राजकीय विद्यालय सैदपुर-नीरपुर में हुई। दसवीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिहाली से पूर्ण की, जिसमें वे बोर्ड के शीर्ष 0.1 प्रतिशत छात्रों में शामिल रहे। 2014 में बारहवीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली से पूरी की और विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आधुनिक तकनीकी ज्ञान को समझने के लिए की कई देशों की यात्रा

उच्च शिक्षा राजकीय महाविद्यालय नारनौल से पूर्ण करते हुए जीव विज्ञान में एमएससी की उपाधि 8.2 सीजीपीए के साथ हासिल की। शिक्षा के बाद तरुण ने आधुनिक तकनीकी ज्ञान को और गहराई से समझने के लिए कई देशों की यात्रा की। जहां उन्होंने वैश्विक स्टार्टअप संस्कृति, आधुनिक तकनीक और एआई इकोसिस्टम को नजदीक से सीखा। एआई और इंटरनेट में रुचि वर्ष 2017-18 के दौरान प्रारंभ हुई। वर्ष 2020-21 तक उन्होंने एआई और मशीन लर्निंग पर निरंतर अध्ययन, शोध और प्रयोग किए। वर्ष 2022 में अपने एआई सेटअप की नींव रखी। वर्ष 2023 में दुबई में अपनी पहली तकनीकी कंपनी की स्थापना की और इसके बाद वर्ष 2023 के अंत से 2024 की शुरुआत में मलेशिया में ओमनीनेक्सयूस की स्थापना की, जिसने आगे चलकर गाइटेक्स मंच पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाते हुए तकनीकी नवाचार पुरस्कार हासिल किया। वर्तमान में तरुण दुबई स्थित तकनीकी कंपनी फ्यूचरवाइज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं तथा मलेशिया में पंजीकृत एआई संस्था ओमनीनेक्सयूस के सह संस्थापक और मुखय सूचना अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

महेंद्रगढ़। चयनित युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

महेंद्रगढ़। युवा प्रतिभाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से निटकॉन लिमिटेड के द्वारा एक निजी कंप्यूटर सेंटर में एक विशाल युवा रोजगार मे आयोजित किया गया। इस मेले में कुल आठ प्रमुख कंपनियों ने हिस्सा लिया और मौके पर ही 75 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। मुख्यातिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव उपस्थित रहे। उन्होंने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी से अपने करियर में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में निटकॉन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि यह रोजगार मेला युवाओं को उद्योग जगत से सीधे जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। भविष्य में भी इस प्रकार के और रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को अवसर मिल सके। मेले में भाग लेने आई कंपनियों में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित संस्थाएं शामिल थीं, जिन्होंने तकनीकी, मार्केटिंग, सेल्स और प्रशासनिक पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया।

धरसूं के ग्रामीणों को बापड़ोली डिपो से ही मिलेगा राशन, डीसी ने दिए आदेश

प्रदर्शन करने उपरांत सोमवार को समाधान शिविर में गुहार लगाने पहुंचे थे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपमंडल के गांव धरसूं के ग्रामीणों को पुनः बापड़ोली राशन डिपो से अटैच करने के डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने आदेश सुनाए हैं। ग्रामीण एकजुट होकर सोमवार को लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे। तब ग्रामीणों की बातें सुनने उपरांत डीसी ने यह आदेश दिए हैं।

बता दें कि धरसूं के ग्रामीणों को नवंबर से पहले बापड़ोली गांव में बने राशन डिपो से राशन वितरित किया जाता रहा है तथा ग्रामीण राशन डिपो धारक महिला मंजुला की कार्यप्रणाली एवं ईमानदारी से खुश थे, लेकिन अब विभाग ने धरसूं को बापड़ोली से हटाकर निवाजनगर में इंद्राज के डिपो के अधीन कर दिया, जिस कारण उनमें रोष पनप गया। रविवार को जहां ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर इसके विरुद्ध रोष जताया, वहीं ग्रामीण

नारनौल। लघु सचिवालय में जनसुनवाई के लिए पहुंचे धरसूं के ग्रामीण।

एकजुट होकर सोमवार को जिला ग्रामीणों ने कहा कि मंजुला डिपो होल्डर के कार्यकाल में किसी प्रकार की शिकायत नहीं रही है, लेकिन अब पुनः पुराने विवादित डिपो से अटैच करने का निर्णय अनुचित है।

इससे कोई भी ग्रामीण खुश नहीं है, क्योंकि वह पहले भी निवाजनगर डिपो के अधीन रहने से परेशानी भुगत चुके हैं, लेकिन अब पुनः परेशानी झेलने को तैयार नहीं।

गंभीरता से ली ग्रामीणों की बातः इस मौके पर डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने ग्रामीणों की बातों का बड़ी इत्मिनान से सुना तथा उनका पक्ष गंभीरता से लेकर मौके पर ही आदेश सुनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि धरसूं का डिपो बापड़ोली के अधीन ही रखा जाए। इससे राहत मिलने पर ग्रामीण बड़े खुश हो गए तथा वहीं पर डीसी साहब की प्रशंसा करने लगे। ग्रामीण डीसी की लोकप्रिय कार्यप्रणाली देखकर चकित रह गए तथा उनकी दिल खोलकर प्रशंसा करते हुए उनका आभार जताने लगे।

समाधान शिविर में लिया भाग

ग्रामीणों ने बताया कि मंजुला पिछले पांच वर्षों से गांव धरसूं में समय पर और नियमानुसार राशन वितरण कर रही हैं, जिससे ग्रामीण पूरी तरह संतुष्ट हैं, लेकिन विभाग द्वारा नवंबर 2025 से उनका राशन निवाजनगर के इंद्राज नामक डिपो होल्डर से अटैच कर दिया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि इंद्राज की कार्यप्रणाली पहले भी विवादित रह चुकी है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2020 में इसी डिपो होल्डर के माध्यम से राशन वितरण होता था, उस दौरान भारी धांधली व गड़बड़ी सामने आई थी। शिकायतों पर तत्कालीन डीसी ने जांच कराई थी, जिसमें आरोप सही पाए गए थे। विभागीय निरीक्षण के दौरान डिपो होल्डर को शराब के नशे में राशन वितरण करते हुए पाया गया था। इसके बाद धरसूं गांव का राशन निवाजनगर से हटाकर बापड़ोली की मंजुला को सौंपा गया था।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गांव की महिला सरपंच रविता, रोहित पंडितजी, पंच राहुल शर्मा, मोहन सिंह पंच, हिना कुमारी पंच, मगर सिंह नंबरदार, चौथराम चौकीदार, कुलदीप सिंह, ममता, बीना देवी, मंजीत कौर, भगवान सिंह, विक्रम, नरेश, मुकेश कुमार, प्रवीण, महताब सिंह, विजय, जगदीश, छोटेलाल पूर्व पंच, चेतराम, मोनिका, मंगतराम एवं विरेंद्र आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कनीना। प्रवक्ता सचिन कुमार को सम्मानित करते राज्यपाल। फोटो: हरिभूमि

कनीना के प्रवक्ता सचिन कुमार को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

उड़ीसा राजभवन में विश्व हिन्दी परिषद के तत्वावधान में सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें कनीना के भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता सचिन कुमार को उनके शिक्षा, हिन्दी भाषा के प्रति योगदान, सामाजिक सेवा व मंच संचालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व सेवाओं को देखते हुए विश्व हिन्दी गौरव सम्मान 2025 प्रदान किया गया। ओड़िशा राजभवन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति मुख्य अतिथि रहे। पद्मश्री व पद्मभूषण पुरस्कार से अलंकृत प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. वाई लक्ष्मी प्रसाद, राज्यसभा सांसद ममता मोहंता, पूर्व लोकसभा सांसद प्रसन्ना पटसानी, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. बिपिन कुमार व प्रदेश अध्यक्ष विक्रमादित्य सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय चेतना हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार व विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने का उद्देश्य को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमे पूरे देश से विभिन्न क्षेत्रों अभूतपूर्व कार्य कर रहे महानुभावों को आमंत्रित किया गया था। जिसमे कनीना निवासी प्रवक्ता सचिन कुमार को विशेष रूप से आमंत्रित थे। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित कवि, साहित्यकार, शिक्षाविद व राजनेताओं ने भाग लिया। बता दें कि प्रवक्ता सचिन कुमार इससे पहले भी अनेक बार राष्ट्रीय स्तर तक क्षेत्र का नाम रोशन कर चुके है व वर्तमान में रेवाड़ी में मॉडल संस्कृति विद्यालय में कार्यरत है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र की अनेक सामाजिक संस्थाओं व गणमान्यजनों ने बधाई दी।

शिक्षण की गुणवत्ता और नवाचार में एआई सहयोगीः प्रो. श्रीनिवास

- हकेंवि में शिक्षकों के लिए एआई की उपयोगिता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मदन मोहन मालवीय टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स फॉर टीचर्स विषय पर केंद्रित शॉर्ट टर्म प्रोग्राम की सोमवार से शुरुआत हुई। आयोजन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एआई आज के समय की आवश्यकता है और यह शिक्षकों का सहयोगी है। उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का

महेंद्रगढ़। हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो. के. श्रीनिवास। फोटो: हरिभूमि

उल्लेख करते हुए कहा कि कुलपति सदैव ही नवाचार व तकनीकी विकास के मोर्चे पर बदलते समय के साथ आगे बढ़ने के पक्षधर हैं। ऐसे में आवश्यक है कि शिक्षक बदलते समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्वयं को तैयार करें। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली के प्रो. के. श्रीनिवास उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि इस आयोजन में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ें 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से एआई की महत्ता व शिक्षण कार्य में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता का परिचय कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. श्रीराम पांडेय व यूजीसी-एमएमटीटीसी की उपनिदेशक प्रो. तनु गुप्ता ने दिया।

ये रहे मौजूद

मौके पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. नंद किशोर, प्रो. रेनु यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. रमेश कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. हरीश कुमार सहित भारी संख्या शिक्षक व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिविर में डीसी ने सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार मंगलवार को लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जन समस्याएं सुनी। इस अवसर पर कुल 86 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार के निर्देश अनुसार प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायत को पहले ध्यान पूर्वक सुना जाए। उसके बाद नियमों के अनुसार निर्धारित समय में शिकायतकर्ता का काम होना चाहिए।

सरकार व जिला प्रशासन का मकसद है कि नागरिकों को सरकार की सेवाओं व योजनाओं का लाभ निश्चित अवधि में दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी ने बिना किसी ठोस कारण किसी काम में देरी

नारनौल। आमजन की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो: हरिभूमि

की तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में बहुत गंभीर है। एक-एक शिकायत का समाधान पोर्टल के माध्यम से रिकॉर्ड रखा जाता है। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से हर सप्ताह इसकी समीक्षा की जाती है। ऐसे में इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देश पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 तक सभी उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर लगाए जाते हैं। कोई भी नागरिक अपनी शिकायत या समस्याओं को वहां पर रख सकता है। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महेंद्रगढ़ की दिवाक्षी अब बॉलीवुड फिल्म में आएगी नजर

महेंद्रगढ़। आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद की 9वीं कक्षा की छात्रा दिवाक्षी का चयन बॉलीवुड मूवी कला एक संघर्ष में क्लासिकल डांस के लिए किया गया है। यह फिल्म नृत्य और संघर्ष पर आधारित है और दिवाक्षी का चयन इस फिल्म के लिए उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के आधार पर हुआ। दिवाक्षी ने एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित आडिशन में भाग लिया था, जहां फिल्म के डायरेक्टर मिस्टर अली रॉय और सपना सिंह ने उनकी नृत्य प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें फिल्म में शामिल करने का निर्णय लिया। महेंद्रगढ़ निवासी दिवाक्षी की सफलता की कहानी न केवल उनके नृत्य कौशल, बल्कि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। दिवाक्षी के पिता दीपक व माता ज्योति ने बताया

कि वह बचपन से ही नृत्य में रुचि रखती थीं। ढाई साल की उम्र में ही दिवाक्षी ने स्टेज पर नृत्य प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नेशनल यूनियन क्लासिकल डांसर का खिताब भी जीता है और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उनके प्रदर्शन ने न केवल अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि उन्होंने अपने गांव और समाज में भी कला के प्रति जागरूकता और सम्मान बढ़ाया है। फिल्म कला एक संघर्ष में दिवाक्षी के साथ बॉलीवुड के अभिनेता मुस्ताक खान, प्रदीप कावरा, इकरार मल्लिक (यू-ट्यूबर) और डीआईडी के द्वितीय विजेता हरुण राव भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं।

मरीजों को राहत नांगल चौधरी में 17 करोड़ की लागत से तीन मंजिला भवन का निर्माण स्वीकृत

स्वास्थ्य के प्रयासों से जिले के अस्पतालों में सुविधाएं और संसाधनों में हुई बढ़ोतरी

आधुनिक तकनीक से जांच व विशेषज्ञ चिकित्सक हुए उपलब्ध

- भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता बैठक के दौरान व्यक्त किए विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिले की अस्पतालों में संसाधन व सुविधाएं बढ़ी हैं। जिससे मरीजों को निःशुल्क और सुविधा पूर्वक इलाज कराना संभव हो पाया है। नांगल चौधरी सीएचसी का करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्रों की मरम्मत व नये भवन निर्माण का बजट स्वीकृत किया गया है। उक्त विचार भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता बैठक के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि जिले में नांगल चौधरी सीएचसी सबसे बड़ी है। जिसके अंतर्गत 84 गांवों में 1.85 लाख आबादी है। अधिकांश गांवों में यातायात सुविधा नहीं है, जिस कारण ग्रामीणों को दूरदराज की अस्पतालों में इलाज कराना मुश्किल रहता है। आबादी के अनुसार नांगल चौधरी सीएचसी को 30 साल पहले अपग्रेड कर दिया था, लेकिन भवन निर्माण का बजट स्वीकृत नहीं हुआ था। कंडम भवन में मरीजों व चिकित्सक स्टॉफ को जानलेवा खतरा बना रहता है। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री ने तत्परता पूर्वक सीएचसी का नक्शा तैयार कराया तथा एस्टिमेट के मुताबिक करीब 17 करोड़ बजट स्वीकृत कर दिया। विभागीय पत्र मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने टैंडर छोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसके अलावा दस से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण का बजट मंजूर किया गया है। नारनौल नागरिक अस्पताल में पूरे प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक डिलीवरी होती हैं। अस्पताल में आधुनिक तकनीक वाले संसाधन उपलब्ध नहीं थे। जिस कारण चिकित्सकों को मरीजों का उपचार करने में परेशानी रहती थी। मरीजों की सुविधा के लिए सरकार ने डायलिसिस की निःशुल्क व्यवस्था तथा डिजिटल अल्ट्रासाउंड मशीन का प्रबंध किया है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए हर महीने प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा कैंप लगाए जाते हैं। जिनमें पंजीकृत महिलाओं को पूरा इलाज व एंबुलेंस निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने गांव स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने का संकल्प लिया है।

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़ाने से युवाओं को मिली राहत

जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य दयाराम यादव ने बताया कि नियमानुसार एक साल ओपीडी चलने के बाद ही एमबीबीएस कक्षाओं के दाखिले संभव होते हैं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने सीएम व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर इसी शैक्षणिक सत्र में दाखिले स्वीकृत करवा दिए। इसके अलावा बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की दाखिला सीटों को 63 से बढ़ाकर 100 करवा दिया। जिससे विद्यार्थी नजदीक ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

जगदीश को फिर से मिली प्रधान की जिम्मेदारी

रेवाड़ी। माजरा में एम्स निर्माण के लिए बनाई गई दी माजरा कोऑपरेटिव मल्टीपर्पज सोसायटी लि. माजरा भालखी के सदस्यों ने प्रधान जगदीश यादव में एक बार फिर से विश्वास जताया है। जगदीश यादव को सर्वसम्मति से दोबारा प्रधान बनाया गया है। समिति का गठन होने के बाद जगदीश यादव ने माजरा के किसानों से जमीन सरकार के नाम कराने के लिए ऐड़ी-चोटी तक का जोर लगाया था। सरकार से जमीनों की रजिस्ट्रियां शुरू कराने से लेकर इस प्रोजेक्ट को सिरे चढ़वाने के लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के सहयोग और निर्देश पर कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारी को बखूबी ढंग से निभाया था।

एडवोकेट के निधन पर जताया शोक

बावल। कोर्ट के सीनियर एडवोकेट दयानंद के आकस्मिक निधन पर सोमवार को वकीलों ने वर्क सस्पेंड रखा। एडवोकेट दयानंद कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। कोर्ट के वकीलों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मौन रखा। एक दिन के लिए वर्क सस्पेंड कर दिया गया। अंत्येष्टी में भी बड़ी संख्या में वकीलों व प्रबुद्ध लोगों ने हिस्सा लिया।

होली चाइल्ड स्कूल में अंतर स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन

20 स्कूलों के 300 छात्रों ने स्पर्धाओं में दिखाई प्रतिभा

होली चाइल्ड स्कूल के छात्रों ने अतिथियों के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

2030 के विकसित भारत के लक्ष्य स्वच्छ पर्यावरण, सभी के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवतापूर्ण शिक्षा, रोजगार, ऊर्जा स्त्रोतों में वृद्धि, सामाजिक समानता व सुरक्षा, जो देश-दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई है। छात्रों के दृष्टिकोण को विकसित करने के उद्देश्य से होली चाइल्ड स्कूल में अंतर स्कूल वास्ट कैनवास प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 2030 तक भारत के सत्त और स्थाई विकास की अवधारणा को रेवाड़ी के अलावा भिवाड़ी, नीमराना और रोहतक के 20 स्कूलों के 300 छात्रों ने क्ले मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, भाषण, अभिनय, मॉडल और भाव संप्रेषण से अभिव्यक्त करने का प्रयास किया। विश्वव्यापी समस्या व चुनौती का समाधान खोजने में छात्रों ने अपनी रचनात्मक, क्रियात्मक कल्पनाशक्ति, कलात्मक अभिरुचि और भविष्य के प्रति अपनी सकारात्मक सोच का परिचय दिया। होली चाइल्ड स्कूल के छात्रों ने अतिथियों के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

रेवाड़ी। एचसीपीएस में नाटक की प्रस्तुति देते हुए टीम तथा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते स्कूल निदेशक व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

समस्याओं का निराकरण सभी के सहयोग से संभवः अनिरुद्ध

इस मौके पर एचसीपीएस स्कूल के निदेशक अनिरुद्ध सचदेवा ने कहा कि विश्व स्तरीय समस्याओं का निराकरण सभी के सहयोग से ही संभव है। अंतर स्कूल स्तर पर आयोजित इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों के प्रतिभा कौशल और सामाजिक समस्याओं के प्रति उनके दृष्टिकोण को स्कूल के सीमित दायरे से निकालकर वास्तविकता से परिचय कराती है, ताकि वे अपनी क्षमताओं से परिचित होकर भविष्य की चुनौतियों के समाधान में अपना उतरदायित्व वसक्रिय भागीदारी निभा सकें। इस अवसर पर स्कूल चेयरपर्सन कांता सचदेवा, प्रधानाचार्या विम्मी जौली, उपप्रधानाचार्या डा. सांची सचदेवा, प्राइमरी इंचार्ज इंदू धमीजा तथा सह निदेशक एसीपीएस नीमराना रुबी सचदेवा सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

यह रहे आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

रेवाड़ी। कार्यक्रम में साइंस के मॉडल पेश करते विद्यार्थी

तुकबंदी पाठ प्रतियोगिता में एमपीएस भिवाड़ी की अनिषा, भाषण में पाथ फाइंडर स्कूल की विधि ठकरान, रोल प्ले में एचसीपीएस नीमराना की नैनशिया एवं वैष्णवी, स्टोरी टैलिंग में पठानिया स्कूल की न्यासा, अंग्रेजी निबंध लेखन में पठानिया स्कूल के कृवम, हिंदी निबंध लेखन में केरला पब्लिक स्कूल की कदम, कोलॉज मेंकिग में कैमब्रिज स्कूल की दीक्षा, ड्राइंग और कलरिंग में स्मार्ट किड्स की काजल, साइंस मॉडल में एचसीपीएस रेवाड़ी के हर्षित व कुशाल और डीपीएस रेवाड़ी की याशिका व भाविक, क्ले मॉडलिंग में एचसीपीएस नीमराना की अवनूर व पाथ फाइंडर की दीक्षी, नाटक में एचसीपीएस रेवाड़ी व पठानिया स्कूल रोहतक, पोस्टर मेंकिग में एचसीपीएस नीमराना और एमपीएस ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ-साथ स्मृति चिह्न और इको फ्रैंडली पैन प्रदान किए गए।

रेवाड़ी। कोच व शिक्षकों के साथ फुटबॉल टीमों के खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

अहीर कॉलेज में अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

आज होगा फाइनल मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

खास बातें

- मंगलवार को अहीर कॉलेज व आरपीएस बलाना के बीच फाइनल मैच होगा
- फाइनल मुकाबले के बाद विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया जाएगा।

अहीर कॉलेज में सोमवार को दो दिवसीय इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कॉलेज की प्राचार्य डा. उर्मिला शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता का पहला मैच यदुवंशी कॉलेज महेन्द्रगढ व अहीर कॉलेज के बीय हुआ, जिसमें अहीर कॉलेज ने यदुवंशी कॉलेज को 3-0 के अंतर से हराया। अहीर कॉलेज ने दूसरे मैच में आरपीएस बलाना महेन्द्रगढ को तथा तीसरे मैच में केएलपी कॉलेज रेवाड़ी को 2-1 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। मंगलवार को अहीर कॉलेज व आरपीएस बलाना के बीच फाइनल मैच होगा। प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए केएलपी कॉलेज ने यदुवंशी कॉलेज नारनौल पर 3-0 से जीत दर्ज की। अहीर कॉलेज के शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता डा. धीरज सांगवान ने बताया कि फाइनल मुकाबले के बाद विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन में चरण सिंह फुटबॉल कोच, विक्रम डीपीई, रविन्द्र, संजय सैनी, रेहान अग्रवाल व महाविद्यालय टीम के फुटबॉल इचार्ज राजेश ने सहयोग दिया। इस अवसर पर प्रो.संजीव कुमार व डा. मुक्ता अरोड़ा सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

राइटिंग में हिमानी व पोस्टर मेकिंग में तनीषा बनी विजेता

नारी सशक्तिकरण पर स्लोगन प्रतियोगिता

- प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

रेवाड़ी। पोस्टर मेकिंग में नारी सशक्तिकरण का संदेश देती छात्राएं।

राजकीय महाविद्यालय कोसली में महिला प्रकोष्ठ की ओर से नारी सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, रंगोली, मेहंदी, निबंध लेखन व कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रीति छोक्कर की अध्यक्षता में हुई प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। प्राचार्या डा. लाज कौशल ने कहा कि उच्च शिक्षा महिलाओं को अपने अधिकारों, क्षमताओं और अवसरों के बारे में जागरूक करती है, जिससे वे आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बन सकें। कविता पाठ में छात्रा मुस्कान ने प्रथम, निशु ने द्वितीय व मुस्कान ने तृतीय, निबंध लेखन में योगिता ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय व जानवी ने तृतीय, मेहंदी में अंजलि ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय व सोनिया ने तृतीय, रंगोली में अंजलि ने प्रथम, तन्नू ने द्वितीय व वंशिका ने तृतीय, स्लोगन राइटिंग में हिमानी ने प्रथम, मधु यादव ने द्वितीय व मोनिका ने तृतीय तथा पोस्टर मेकिंग में तनीषा ने प्रथम, हिमानी ने द्वितीय व मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रोफेसर प्रीतम गौतम, रेनूरानी और नीलम यादव ने निभाई। इस अवसर पर नागेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, डा. निशा, सविता सभरवाल, डा. मोनिया, रेनू यादव व जसवंत सहित अने छात्राएं उपस्थित थीं।

आरपीएस कोसली के विद्यार्थी छाए

सीए फाउंडेशन परीक्षा में पाई सफलता

अंकित कुमार।

छात्र प्रिंस।

छात्र कुणाल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली के विद्यार्थियों ने हाल ही में घोषित सीए फाउंडेशन परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्कूल के छात्र अंकित कुमार गांव कासनी, प्रिंस गांव मातनहेल व कुणाल गांव कोसली ने परीक्षा में उपलब्धि हासिल की है। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव व कोसली स्कूल के निदेशक हंसराज यादव इस उपलब्धि पर शिक्षकों व विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यालय की प्राचार्या अंजू यादव ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता हासिल की है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाराजा शूर सैनी जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह 16 को

समारोह को लेकर राज स्कूल में सैनी समाज की बैठक ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष नवीन सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

महाराजा शूर सैनी के वंशज होने के नाते समस्त सैनी समाज के सदस्यों की जिम्मेदारी हैं कि कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पहुंचे : धर्म सिंह

निमंत्रण देने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

16 नवंबर को नारनौल में महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का निमंत्रण देने के लिए सोमवार को प्रतिनिधिमंडल रेवाड़ी पहुंचा। समारोह को लेकर राज स्कूल में सैनी समाज की बैठक ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष नवीन सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गईं, जिसमें नारनौल से आए प्रतिनिधिमंडल में जेपी सैनी चेयरमैन मार्केट कमेटी, रामचन्द्र सैनी जिला अध्यक्ष प्रेस क्लब, सतीश सैनी प्रोफेसर पीजी कॉलेज नारनौल, सुरेशपाल सैनी समाजसेवी, लालचंद सैनी, अशोक सैनी, बाल किशन आदि मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष बोले

इस मौके पर सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्म सिंह सैनी ने कहा कि यह किसी जाति विशेष का कार्यक्रम नहीं हैं, महाराजा शूर सैनी के वंशज होने के नाते समस्त सैनी समाज के सदस्यों की जिम्मेदारी हैं कि कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पहुंचे। रोशन लाल सैनी पूर्व प्रधान सैनी सभा ने कहा कि रेवाड़ी सैनी समाज भारी संख्या में कार्यक्रम में भाग लेगा। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष नवीन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दक्षिण हरियाणा को राज्य स्तरीय कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी हैं, ये हमारे लिए गर्व की बात हैं तथा पूरे दक्षिण हरियाणा की जिम्मेदारी बनती हैं कि समाज भी इस कार्यक्रम को एतिहासिक बनाएं। इस मौके पर खुशीराम सैनी, रतनलाल सैनी, गिरधारी लाल सैनी, सूरजभान सैनी, सतीश सैनी, अमितेंदर सैनी, सर्वेश सैनी, जोगिंद्र सैनी व सौरभ सैनी भाजपा जिला युवा मोर्चा सहित समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

सहायक प्रोफेसर सत्येंद्र सिंह की प्राचार्य पद पर पदोन्नति

रेवाड़ी। प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में भूगोल विषय के सहायक प्रोफेसर सत्येंद्र सिंह की प्राचार्य के पद पर पदोन्नति हुई है। उन्होंने सोमवार को राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा में प्राचार्य के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। उनकी पदोन्नति पर महाविद्यालय स्टाफ ने भावभीनी विदाई दी। महाविद्यालय प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने उनके सुखद भविष्य की कामना की। स्टाफ सचिव डा. सुनीता के संचालन में हुए कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ बिताए गए पलों को याद किया व इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

रेवाड़ी। प्राचार्य सतेन्द्र सिंह का सम्मान करते हुए स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

किसानों की समस्याओं को लेकर इनेलो का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करते इनेलो कार्यकर्ता।

इंडियन नेशनल लोकदल के कार्यकर्ताओं की ओर से सोमवार को नई अनाजमंडी में किसानों की परेशानियों का जायजा लिया तथा प्रदर्शन करते हुए सचिवालय पहुंचे। जहां जिला प्रभारी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव नरेन्द्र प्रजापति, प्रदेश के एससी सेल प्रभारी वेद सिंह मुंडे व जिला प्रधान डा. राजपाल यादव के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम सीटीएम को ज्ञापन सौंपा। इनेलो पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर रोष प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिला प्रभारी वेद मुंडे ने कहा कि प्रदेश के काफी जिलों में अत्यधिक बारिश व बाढ़ की वजह से जलभराव हुआ था, जिसको लेकर किसानों व इनेलो पार्टी ने मुख्यमंत्री को उनके खेतों से पानी निकलवाने की मांग की थी।

रेवाड़ी। युवा महोत्सव में सांस्कृतिक मंच से प्रस्तुति देते प्रतिभागी टीम। फोटो : हरिभूमि

युवा महोत्सव का शुभारंभ

मीरपुर। जिला युवा महोत्सव का सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य आगाज हुआ। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कल्पना चावला सभागार में बतौर मुख्य अतिथि एडीसी राहुल मोदी व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव में पहले दिन छात्र-छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता, समूह व एकल म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट, कहानी व कविता लेखन प्रतियोगिता के साथ साइंस मेला में हिस्सा लिया। विकसित युवा-विकसित भारत के तहत आयोजित जिला स्तरीय युवा महोत्सव में एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि युवा देश का भविष्य है। जब हमारा युवा सशक्त होगा तभी हमारा देश आर्थिक रूप से सशक्त होकर विकसित भारत बनेगा। युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार निरंतर युवा महोत्सव जैसे अनेक कार्यक्रम करा रही हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को अपनी कला व संस्कृति तथा अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने बताया कि यह कार्यक्रम माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार और युवा अधिकारिता व उद्यमिता विभाग हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को समूह नृत्य, समूह गायन व पोस्टर मेकिंग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रवक्ता सुधीर यादव ने किया। इस अवसर पर आईटीआई कुंड मनेठी के प्रधानाचार्य जयदीप कादयान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर काफी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

शहीदी दिवस गुरु हरगोबिंद सिंह एक महान योद्धा और सिख धर्म के छठे गुरु थे

गुरु तेगबहादुर ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कियाः बीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को श्री गुरू तेगबहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में खंड शिक्षा अधिकारी राजेश वर्मा के मार्गदर्शन व प्राचार्या डा. नम्रता सचदेवा के नेतृत्व में निबंध लेखन एवं कहानी वाचन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने हिंदी, अंग्रेजी,संस्कृत तथा पंजाबी भाषा में भागीदारी की।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र के महान शहीदों के योगदान के महत्व पर प्रकाश डालना था। इस मौके पर बीईओ रेवाड़ी राजेश वर्मा ने कहा कि गुरु तेगबहादुर सिख धर्म के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका जन्म 1 अप्रैल 1621 को पंजाब के अमृतसर में हुआ था। उनके पिता गुरु हरगोबिंद सिंह एक महान योद्धा और सिख धर्म के छठे गुरु थे। गुरु तेगबहादुर का बचपन का नाम त्यागमल था, लेकिन बाद में उनकी वीरता के कारण उनका नाम तेगबहादुर रख दिया गया। प्राचार्या डा. सचदेवा ने कहा कि गुरु तेगबहादुर की विरासत आज भी जीवित है।

रेवाड़ी। निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

वे एक महान गुरु, एक वीर योद्धा और एक आध्यात्मिक नेता थे, जिन्होंने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी शिक्षाएं और उनका बलिदान आज भी लोगों को प्रेरित करता है। प्रतियोगिताओं में हिंदी भाषा में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान ईश्वर सिंह ने प्राप्त किया।

अंग्रेजी भाषा में प्रथम स्थान प्रियांशु ने प्राप्त किया। कहानी वाचन प्रतियोगिता में हिंदी भाषा में कक्षा दसवीं के कुणाल तथा अंग्रेजी भाषा में कक्षा ग्यारहवीं के ईश्वर सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका सरोज यादव, रजनी कालरा व बबीता ने निभाई। कार्यक्रम में शिक्षक जितेन्द्र यादव, विकास एवं कोमल का सहयोग रहा।

गुरु तेग बहादुर के जीवन पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

रेवाड़ी। बलिदान, शांति और मानवता के प्रतीक गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार की ओर से 25 नवंबर तक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कराया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में सोमवार को जिलेभर के विद्यालयों में सुनो कहानी गुरु तेग बहादुर की कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उनके जीवन से संबंधित विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी कराई गई। गुरु तेग बहादुर के जीवन पर निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल हुए। शिक्षकों की ओर से विद्यार्थियों को गुरु तेग बहादुर के बलिदान, लोगों की भलाई में किए अनेक कार्यों के बारे में बताते हुए उनके द्वारा पढ़ाए गए मानवता के पाठ से शिक्षा लेने के लिए प्रेरित किया।

शहीदी यात्रा का 14 को रेवाड़ी में होगा आगमन : डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 25 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराया जा रहा है। कार्यक्रमों में 8 नवंबर से प्रदेश के चारों कोनों से शहीदी यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। रेवाड़ी में जिला फरीदाबाद से शुरू की गई शहीदी यात्रा का 14 नवंबर को आगमन पर श्रद्धाभाव से भव्य स्वागत किया जाएगा। यह यात्रा अलग-अलग जिलों से होते हुए 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में पहुंचेगी। कुरुक्षेत्र में 25 नवंबर को गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

रेवाड़ी। निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्राएं।

छात्राओं ने कविता, भाषण, लोकगीत व नाटक से दिया हरियाणा संस्कृति का संदेश

रेवाड़ी। कालाका रोड़ स्थित आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज में सांस्कृतिक कमेटी की ओर से प्राचार्य डा. दलवीर सिंह यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य डा. यादव ने शिक्षकों व छात्राओं को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि यह परिश्रम, शौर्य, संस्कृति और प्रगति की प्रतीक भूमि है। हरियाणा ने सदैव देश का मान बढ़ाया है। हमारे राज्य की पहचान केवल इसके आर्थिक या औद्योगिक विकास से नहीं है, बल्कि इसकी समृद्ध लोकसंस्कृति भाषा और परंपराओं से भी है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हरियाणा राज्य की गौरवशाली संस्कृति इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। छात्राओं ने हरियाणा की लोक संस्कृति पर आधारित कविता, भाषण तथा हरियाणवी नृत्य लोकगीत व नाटक प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कमेटी की इंचार्ज मिथलेश यादव, सदस्य डा. पिंकी शर्मा, डा.प्रवीण कुमारी, क्रांति शर्मा व रेनू यादव सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।